मुहावरे

है कोई मुझ जैसा?

जमीन - आसमान एक करना

रात - दिन एक करना

दोनों हाथों में लड्डू

पाँचों उंगलियाँ घी में

राई का पहाड़ बनाना

तिल का ताड़ बनाना

प्राण हथेली पर रखना

सिर पर कफन बाँधना

बाँछें खिल जाना

फूला न समाना

अपने पाँव पर खुद कुल्हाड़ी मारना

आ बैल मुझे मार

आँच न आने देना

बाल बाँका न होने देना

हक्का – बक्का रह जाना

ठगा – सा रह जाना

जल भुनकर कोयला होना

छाती पर साँप लोटना

आँखें नीची होना

पानी – पानी होना

अक्ल का दुश्मन

काठ का उल्लू

लाल पीला होना

आग बबूला होना

एक ही थैली के चट्टे – बट्टे

चोर – चोर मौसेरे भाई

पगड़ी उछालना

कीचड़ उछालना

थाली का बैंगन

बिन पेंदी का लोटा

एक आँख से देखना

एक लाठी से हाँकना

नाक का बाल होना

आँख का तारा होना

प्राण पखेरु उड़ना

आँखें मूँद लेना

दुम दबाकर भागना

नौ दो ग्यारह होना

सब गुड़ गोबर हो जाना

किए कराए पर पानी फिरना